जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

16 नवम्बर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया में "हाइड्रोजन: द फाइट अगेंस्ट क्लाइमेट चेंज" विषय पर सेमिनार आयोजित

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई) के स्टूडेंट चैप्टर ने डायरेक्ट एयर कैप्चर के प्रोजेक्ट लीड फ्रौनहोफर इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी फ्रीबर्ग, जर्मनी, 14 नवंबर 2023 को श्री हम्माद खालिद द्वारा "हाइड्रोजन: द फाइट अगेंस्ट क्लाइमेट चेंज" पर एक सेमिनार का आयोजन किया।
कार्यक्रम की शुरुआत एएसएमई टीम के सदस्यों के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने श्री हम्माद खालिद की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा का परिचय दिया। श्री खालिद जामिया के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने जर्मनी से मेक्ट्रोनिक्स में मास्टर कार्यक्रम पूरा किया है। उन्होंने शुरुआत में वोक्सवैगन और एबीबी जैसे कस्टमर्स के लिए काम करने वाले एक सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में काम किया, लेकिन ज्ञान की उनकी खोज उन्हें फ्राउनहोफर इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी में ले गई, जहां वह पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का सही उपयोग कर सके। उन्होंने खुद को हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों, स्वच्छ ऊर्जा समाधानों और टिकाऊ पर्यावरणीय प्रथाओं के आकर्षक क्षेत्र में समर्पित कर दिया।

अपने वक्तव्य में श्री खालिद ने श्रोताओं को भारत की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के वर्तमान स्तर से परिचित कराया। इसके बाद श्री खालिद ने कहा कि पृथ्वी को बिजली देने के लिए सूर्य से ऊर्जा का उपयोग करके समुद्र से ईंधन निकालने का सपना भारत की ऊर्जा संक्रमण की खोज में एक वास्तविकता कैसे बन सकता है। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे ग्रीन हाइड्रोजन इस परिवर्तन को सक्षम करने के लिए एक आशाजनक विकल्प है। उन्होंने हाइड्रोजन के विभिन्न रंगों पर भी चर्चा की और बताया कि कैसे हरित हाइड्रोजन प्राप्त करने की विधि 830 मिलियन टन $CO_2$ को बचाएगी जो सालाना उत्सर्जित होती है जब यह गैस जीवाश्म ईंधन का उपयोग करके उत्पादित की जाती है।

यह कार्यक्रम प्रश्नोंत्तर के साथ समाप्त हुआ, जिसके बाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर जेड.ए. खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। एएसएमई टीम के अध्यक्ष, अध्यक्ष फरहान, उपाध्यक्ष मुस्कान और संकाय सलाहकार प्रोफेसर सबा खान ने भी श्री खालिद को भारत की अपनी विज़िट के दौरान एक ऐसे विषय पर व्याख्यान देने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया, जो समय की मांग है। सेमिनार में बड़ी संख्या में विभाग के छात्र और शिक्षक मौजूद थे।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया